इकाई – IV

10. अनमोल रत्न

प्रश्न :

1. यह कहाँ का दृश्य है?
2. अध्यापिका क्या पढ़ा रही हैं?
3. आपके अध्यापक या अध्यापिका द्वारा बतायी गयी कुछ अच्छी बातें बताओ।

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। नये शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

© NCERT not to be republished

तुलसीदास

जीवन काल
1532 - 1623
रचनाएँ
रामचरितमानस आदि

तुलसी काया खेत है, मनसा भयो किसान।
पाप-पुण्य दोऊ बीज है, बुवै सो लुनै निदान।

भावः तुलसी जी के अनुसार शरीर खेत के समान है और मन किसान के समान। पाप और पुण्य दो बीज हैं, जो बोया जाता है, उसी को प्राप्त करना पड़ता है।

तुलसी साथी विपत्ति, विद्या-विनय-विवेक।
साहस, सुकृति, सुसत्य व्रत,राम भरोसे एक।।

भावः तुलसीदास जी के अनुसार विपत्ति के समय शिक्षा, विनय, विवेक, साहस, अच्छे कार्य और सच्चाई ही साथ देते हैं।

रहीम

जीवन काल
1556 - 1626
रचनाएँ
रहीम सतसई आदि।

बिगरी बात बनै नहिं, लाख करो किन कोय।
रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय।।

भावः रहीम जी के अनुसार जब बात बिगड़ जाती है तो किसी के लाख प्रयत्न करने पर भी बनती नहीं है। जिस तरह एक बार दूध फट जाता है तो उसे मथने पर भी मक्खन नहीं बनता।

बड़े बड़ाई न करैं, बड़ो न बोलैं बोल।
रहीमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल।।

भावः रहीम जी के अनुसार जो सचमुच बड़े होते हैं, वे अपनी बड़ाई नहीं किया करते। बड़े-बड़े बोल नहीं बोला करते। हीरा स्वयं कभी नहीं कहता कि उसका मोल लाख टके का है।

© SCERT not to be republished

सुनो–बोलो

1. चित्र के बारे में बातचीत करो।
2. दोहों का शीर्षक तुम्हें कैसा लगा और क्यों?
3. इन दोहों से तुम क्या सीखते हो?
4. दोहों में किन-किन मूल्यों के बारे में बताया गया है?
5. तुलसी और रहीम के समय की स्थिति कैसी रही होगी?

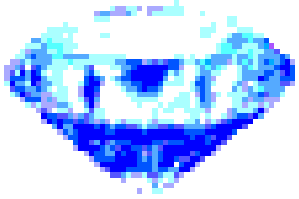

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों के भाव बतलाने वाले वाक्य दोहों में पहचानकर उत्तर–पुस्तिका में लिखो।

1. हमारा शरीर खेत के समान है।
2. लाख प्रयत्न करने पर भी बात नहीं बनती है।
3. बड़े अपनी बड़ाई नहीं करते हैं।

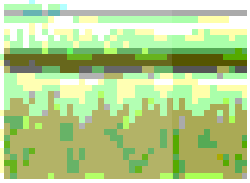

(आ) नीचे दी गयी पंक्तियों के बाद आने वाली पंक्ति लिखो।

1. तुलसी साथी विपत्ति - .....
2. रहीमन हीरा कब कहै - .....
3. पाप-पुण्य दोऊ बीज है - .....

(इ) नीचे दी गयी पंक्तियाँ पढ़ो।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

अब इन प्रश्नों के उत्तर दो।

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. इस दोहे में खजूर के पेड़ की तुलना किसके साथ की गयी है?
3. इस दोहे का भाव अपने शब्दों में बताओ।

(ई) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. तुलसीदास ने शरीर और मन की तुलना किसके साथ की है?
2. रहीम के अनुसार फटे दूध से क्या नहीं बनता है?
3. हीरा अपने बारे में क्या नहीं कहता?
4. विपत्ति के समय हमारा साथ कौन देता है?

© NCERT not to be republished

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. तुलसी दास ने शरीर, मन और पाप-पुण्य के बारे में क्या कहा है?
2. विपत्ति के समय किसकी आवश्यकता पड़ती है?
3. तुलसीदास जी के बारे में लिखो।
4. रहीम जी के बारे में तुम क्या जानते हो?

(आ) 'अनमोल रत्न ' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखो।

शब्द भंडार

(अ) दोहे में आये कुछ शब्द नीचे दिये गये हैं। अब इन शब्दों से एक-एक वाक्य बनाओ।

खेत	किसान खेत में काम करते हैं।
विपत्ति	
विनय	
दूध	
हीरा	

(आ) नीचे दी गयी पंक्ति पढ़ो। समझो।

'लाख **टका** मेरो मोल।'

इस पंक्ति में 'टका' शब्द का प्रयोग विशेष अर्थ के लिए हुआ है। पुराने समय में टके का बड़ा महत्व था। अंग्रेजों के समय यह भारत की मुद्रा थी, जिसका मूल्य दो आना (पैसे) था। इसी शब्द पर कई मुहावरे भी हैं, जैसे-

1. टका-सा मुँह लेकर रह जाना। (उदास होना)
2. टके-टके को मोहताज होना। (गरीब होना)
3. टका पास न होना। (धन की कमी होना)

अब तुम पता लगाओ कि टका को इन भाषाओं में क्या कहते हैं?

1. तेलुगु- 2. कन्नड़- 3. तमिल- 4. मराठी-

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

(इ) नीचे दिये शब्द पढ़ो। समझो। लिखो।

बिगरी	-	बिगड़ी
माखन	-	मक्खन
फाटे	-	फटे

भाषा की बात

(अ) पढ़ो – समझो।

किसान - निदान	बुवै - लुनै	विवेक - एक
कोय - होय	करैं - कहैं	बोल - मोल

(अ) ऊपर दिये गये शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों से वाक्य प्रयोग करो।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) तुलसी दास और रहीम के बारे में लिखो।

प्रशंसा

(अ) तुलसीदास और रहीम के दोहे गाकर सुनाओ।

परियोजना कार्य

(अ) तुलसी और रहीम के अन्य दोहे ढूँढ़ो। कक्षा में सुनाओ।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. दोहे रागयुक्त गा सकता हूँ।		
2. इन दोहों का भाव बता सकता हूँ।		
3. दोहों का भाव अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		
4. कवि के बारे में बता और लिख सकता हूँ।		
5. दोहों के आधार पर मूल्यों के बारे में भाषण दे सकता हूँ।		

© SCERT not to be republished

इकाई – IV

11. हार के आगे जीत है

प्रश्न :

1. चित्र से क्या प्रेरणा मिलती है?
2. बैसाखी के सहारे खेलने वाले इन खिलाड़ियों के बारे में तुम क्या सोचते हो?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। नये शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

तन, मन व आत्मा से जो मज़बूत होता है, सफलता उसके कदम चूमती है। शक्ति के लिए शारीरिक तंदुरुस्ती चाहिए, निश्चित परिस्थिति में समय पर अपना प्रदर्शन करने के लिए मानसिक सन्तुलन चाहिए व मूल्यों के अनुरूप जीने हेतु आत्म-बल चाहिए। इन तीनों ही प्रकार की क्षमताओं का दूसरा नाम ही 'विल्मा ग्लोडियन रुडाल्फ' है।

अमेरिका के टेनेसी प्रान्त में एक रेलवे मज़दूर के घर में 23 जून, 1940 में विल्मा ने जन्म लिया, जिसकी माँ घर-घर जाकर झाड़ू-पोछा लगाती थी। वह नौ वर्ष तक ज़मीन पर कभी पाँव रख कर नहीं चल सकी, क्योंकि उसको चार वर्ष की उम्र में पोलियो हो गया था। तब से वह बैसाखियों के सहारे चलती थी। डॉक्टरों ने जवाब दे दिया था कि वह कभी भी ज़मीन पर अपने कदम सीधे नहीं रख पायेगी।

उसकी माँ बड़ी धर्मपरायण, सकारात्मक मनोवृत्ति वाली साहसी महिला थी। माँ की आदर्शवादी बातें सुन कर विल्मा ने कहा, ''माँ, मैं क्या कर सकती हूँ जबकि मैं चल ही नहीं पाती हूँ?''

''मेरी बेटी, तुम जो चाहो प्राप्त कर सकती हो।'' माँ ने आत्मविश्वास के साथ कहा।

''क्या मैं दुनिया की सबसे तेज धावक बन सकती हूँ?'', विल्मा ने तुरंत प्रश्न किया।

''क्यों नहीं मेरी बेटी, मुझे तुझ पर पूरा विश्वास है।'', माँ ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा।

''कैसे? जबकि डॉक्टरों के अनुसार मेरे लिए चल पाना संभव नहीं है।'', विल्मा ने करुण स्वर में कहा।

''ईश्वर में विश्वास, स्वयं पर भरोसा, मेहनत और लगन से तुम जो चाहो वह प्राप्त कर सकती हो।'', माँ ने यह कहते हुए उसे गोद में उठा लिया।

माँ की प्रेरणा व हिम्मत से 9 वर्ष की विल्मा ने बैसाखियाँ उतार फेंकी व चलना प्रारम्भ किया। अचानक बैसाखियाँ उतार देने के बाद चलने के प्रयास में कई बार ज़ख्मी होती रही, दर्द झेलती रही; लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और कोई सहारा नहीं लिया। आखिरकार एक साल के बाद वह बिना बैसाखियों के चलने में कामयाब हो गयी। इस प्रकार आठवीं कक्षा में आते-आते उसने अपनी पहली दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और वह सबसे पीछे रही। उसके बाद दूसरी, तीसरी,

चौथी दौड़ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती रही और हमेशा आखिरी स्थान पर आती रही। लेकिन वह पीछे नहीं हटी। निरन्तर दौड़ प्रतियोगिताओं में भाग लेती रही, और अंत में उसने एक दिन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया।

15 वर्ष की उम्र में विल्मा टेनेसी स्टेट विश्वविद्यालय गयी, जहाँ वह एड टेंपल नाम के एक कोच से मिली। विल्मा ने अपनी यह इच्छा व्यक्त की कि मैं दुनिया की सबसे तेज धाविका बनना चाहती हूँ। तब टेंपल ने कहा, ''तुम्हारी इसी इच्छाशक्ति की वजह से कोई भी तुम्हे नहीं रोक सकता, और साथ में मैं भी तुम्हारी मदद करूँगा। दौड़ की कला मैं तुम्हें सिखाऊँगा।''

आखिर वह दिन आया जब विल्मा ओलम्पिक में हिस्सा ले रही थी। ओलम्पिक में दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वालों से मुकाबला करना पड़ता है। विल्मा का मुकाबला जुत्ता हेन से था, जिसे कोई भी हरा नहीं पाया था। पहली दौड़ 100 मीटर की थी। इसमें विल्मा ने जुत्ता को हरा कर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। दूसरी दौड़ 200 मीटर की थी। इसमें भी विल्मा ने जुत्ता को दूसरी बार हराया और उसने दूसरा स्वर्ण पदक जीता। तीसरी दौड़ 400 मीटर की रिले रेस थी और विल्मा का मुकाबला एक बार फिर जुत्ता से ही था। रिले में रेस का आखिरी हिस्सा टीम का सबसे तेज खिलाड़ी ही दौड़ता है। विल्मा की टीम के तीन लोग रिले रेस के शुरूआती तीन हिस्से में दौड़े और आसानी से बेटन बदली। जब विल्मा के दौड़ने की बारी आई, उससे बेटन छूट गयी। लेकिन विल्मा ने देख लिया कि दूसरे छोर पर जुत्ता हेन तेज़ी से दौड़ी चली आ रही है। विल्मा ने गिरी हुई बेटन उठायी और यंत्र की तरह तेज़ी से दौड़ी तथा जुत्ता को तीसरी बार भी हराया और अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीता। यह बात इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गयी कि एक पोलियोग्रस्त महिला 1960 के रोम ओलम्पिक में दुनिया की सबसे तेज धावक बन गयी।

यह उसके कठोर परिश्रम का ही परिणाम था कि उसने 1960 के रोम ओलिम्पिक में 100 व 200 मीटर की दौड़ और 400 मीटर की रिले दौड़ में स्वर्ण पदक जीते। और एक ही ओलिम्पिक में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली अमेरिकी एथलीट बनी। रोम से लौटने पर पूरा अमेरिका उस लड़की के स्वागत में खड़ा था, जो कभी अपने पैरों पर भी खड़ी नहीं हो सकती थी। उन्हीं के बीच में थी उसकी माँ, जिसकी वजह से आज वह इस मुकाम पर पहुँची थी।

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

सुनो-बोलो

1. पाठ का शीर्षक कैसा लगा और क्यों?
2. शारीरिक रूप से कमज़ोर लोग कैसे होते हैं?
3. विल्मा अपनी माँ से प्रेरित हुई। तुम्हें कौन-कौन प्रेरित करते हैं?
4. विल्मा की तुम्हें कौन-सी बात सबसे अच्छी लगी और क्यों?
5. पोलियो का विज्ञापन 'दो बूँद ज़िंदगी की' से आप क्या समझते हैं?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़ो। किसने कहा बताओ।

वाक्य	किसने कहा?
(अ) मैं क्या कर सकती हूँ जबकि मैं चल ही नहीं पाती हूँ?	
(आ) दौड़ की कला मैं तुम्हें सिखाऊँगा।	
(इ) ज़मीन पर अपने कदम सीधे नहीं रख पायेगी।	
(ई) क्या मैं दुनिया की सबसे तेज धावक बन सकती हूँ।	
(उ) तुम्हारी इसी इच्छाशक्ति की वजह से कोई भी तुम्हें नहीं रोक सकता।	

(आ) चित्र देखो। उससे जुड़े वाक्य पाठ में ढूँढ़ो। रेखांकित करो।

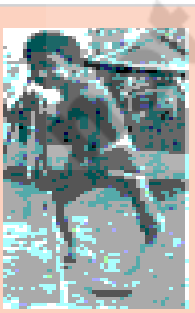
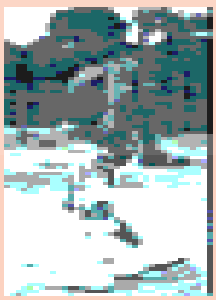

(इ) अपने पैरों पर खड़े होने का अर्थ पता लगाकर, दो वाक्य लिखो।

(ई) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. विल्मा को कौन-सी बीमारी थी?
2. विल्मा की सफलता में उसकी माँ का क्या हाथ था?

© NCERT not to be republished

3. ओलंपिक में विल्मा का मुकाबला किससे था? इस मुकाबले में उसका प्रदर्शन कैसा था?

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. विल्मा को कब लगा कि वह एक तेज़ धावक बन सकती है?
2. सफलता हमारे कदम कब चूमती है?
3. विल्मा का जीवन प्रेरणादायक है। कैसे?

(आ) इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखो।

शब्द भंडार

(अ) किसका क्या अर्थ है, लिखो।

धावक	जो तेज़ दौड़ता है, उसे धावक कहते हैं।
ओलंपिक	
रिले दौड़	
बेटन	
पोलियो	

(आ) भारतीय ओलंपिक विजेताओं के चित्र देखो। किन्हीं तीन के बारे में एक-एक वाक्य लिखो।

© SCERT not to be republished

परियोजना कार्य

तुम अपने मनपसंद खिलाड़ी के बारे में नीचे दी गयी जानकारियाँ लिखो।

1. खिलाड़ी का नाम	
2. खेल	
3. कितने वर्षों से खेल रहा है?	
4. सम्मान	
5. क्यों पसंद है?	

प्रशंसा

खेल में हार-जीत लगी रहती है। हार के प्रति तुम कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त करोगे?

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

विल्मा की माँ ने उसे प्रेरणा नहीं दी होती, तो क्या होता? सोचकर बताओ।

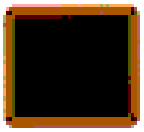

भाषा की बात

रेखांकित शब्द के स्थान पर बेटा, भाई, बहन, मित्र, छात्र शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य फिर से लिखो।

''मेरी बेटी, जो तुम चाहो प्राप्त कर सकती हो।''

जैसेः ''मेरे बेटे, जो तुम चाहो प्राप्त कर सकते हो।''

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		
5. पाठ का समापन अलग ढंग से कर सकता हूँ।		

© SCERT not to be republished

इकाई – IV

12. बढ़ते कदम

प्रश्न :

1. इस चित्र के बारे में तुम क्या जानते हो?
2. भारत के कुछ महान व्यक्तियों के नाम बताओ?
3. लक्ष्य प्राप्त करने के लिए क्या करना पड़ता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। नये शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

20 सितंबर, 2012

गुरुवार

आज माँ की तबीयत कुछ ठीक है। सुबह जब मैं उठी तो देखा कि वे काम पर निकल चुकीं थीं। एक सप्ताह से मैं पाठशाला नहीं गयी थी - माँ का काम जो करना पड़ता था। आज मैं पाठशाला जाना चाहती थी। पता नहीं गुरुजी ने क्या-क्या पढ़ा दिया होगा? और फिर ममता, रवि, शमीम से भी तो कई दिनों से नहीं मिली। पर दीदी ने कहा कि माँ की बीमारी के बाद आज काम पर जाने का उनका पहला दिन है। इसलिए तू यहाँ रहकर मेरी मदद कर। वैसे तो मैं दीदी की सहायता हमेशा करती हूँ। जो भी हो काम ज्यादा होने के कारण आज मैं स्कूल नहीं जा पायी। काम करते-करते दिन कैसे गुज़र गया, इसका पता ही नहीं चला।

21 सितंबर, 2012

शुक्रवार

आज जब मैं स्कूल के लिए निकली तो हल्का-हल्का पानी गिर रहा था। बारिश रुकने तक देर हो गयी। समय देखा तो दस बज चुके थे। मैं बैग लेकर पाठशाला की ओर भागी। फिर भी देर हो गयी। सब अपने-अपने काम में लग चुके थे।

© SCERT not to be republished

लोमड़ी की कहानी लिखनी थी। मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करना है। पहले डर के मारे पूछा नहीं। फिर थोड़ी देर बाद पूछा तो अध्यापिका जी ने मेरी ओर देखते हुए पूछा - "समीना! कल तुम क्यों नहीं आयी?" तो मैंने उन्हें पाठशाला न आने का कारण बताया। तब उन्होंने मुझे हर दिन पाठशाला आने के लिए समझाया। फिर कहानी पढ़ने को कहा। मैं पढ़ने लगी। मज़ेदार लगी। मैं तो पढ़ ही रही थी पर श्याम और सायना ने तो अपनी कहानी उत्तर-पुस्तिका में लिख भी ली थी। वे अध्यापिका जी को दिखाने लगे। रवि और इरफान एक-दूसरे के बाल खींच रहे थे। अध्यापिका जी ने उन्हें डांटा।

इतने में दस मिनट की छुट्टी हो गयी। मैंने शमीम और ममता से खूब सारे बातें की। शाम को खूब खेला। दिन कैसे बीत गया यह पता ही नहीं चला।

22 सितंबर, 2012

शनिवार

आज मैं पाठशाला समय पर पहुँच गयी। पाठशाला में पाठशाला समिति की बैठक थी। सरपंच जी भी आये थे। हम सब को बरामदे में बिठाया गया। प्रधानाध्यापक जी और सरपंच जी ने बारी-बारी हमसे बातचीत की। प्रधानाध्यापक जी ने बताया कि भारत सरकार 01 अप्रैल, 2010 से बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार कानून अमल में ला

© SCERT not to be republished

रही है। इस कानून के अनुसार 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य रूप से शिक्षा पाने का अधिकार है। उन्हें अपनी पढ़ाई के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं करना होगा। भारत सरकार हर बच्चे के चेहरे पर खुशी देखना चाहती है। तभी सायना ने प्रधानाध्यापक जी से पूछा -''सरकार हमारे लिए और क्या सुविधाएँ दे रही है?'' तो प्रधानाध्यापक जी ने उसके प्रश्न की प्रशंसा की। आगे उन्होंने कहा कि सरकार पौष्टिक भोजन, बालिका शिक्षा, पेयजल की सुविधा, खेल सामग्री, खेल का मैदान, पोषाक, निशुल्क पाठ्य-पुस्तकें और विविध प्रकार की सुविधाएँ, प्रोत्साहन आदि दे रही है। सरकार चाहती है कि भारत का हर नागरिक पढ़ा-लिखा बनें। सौ प्रतिशत साक्षरता दर प्राप्त करें। सरकार का नारा है - 'सब पढ़ें - सब बढ़ें।' जिस दिन भारत का हर बच्चा शिक्षित होकर अच्छा नागरिक बनेगा, उसी दिन हमारे महापुरुषों के सपने साकार होंगे। जयहिंद।''

प्रधानाध्यापक जी की बातें सुनकर हम सबने तालियाँ बजायीं। आज मैं बहुत खुश थी। मैंने घर लौटकर माता-पिता और दीदी को प्रधानाध्यापक जी की कही सारी बातें बतायीं।

© SCERT not to be republished

सुनो-बोलो

1. इस डायरी की घटनाओं के आधार पर बताओ समीना कैसी लड़की है?
2. समीना के पाठशाला न जाने के क्या कारण हो सकते हैं?
3. तुम अपनी पाठशाला में क्या-क्या करते हो?
4. समीना की कक्षा और तुम्हारी कक्षा में क्या अंतर हैं? बताओ।
5. इस पाठ को अपने शब्दों में बताओ।

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़ो। इनके अर्थ वाले वाक्य पाठ में रेखांकित करो।

1. मैं अपने मित्रों से मिलना चाहती हूँ।
2. भय के कारण पूछ न सकी।
3. सरपंच ने हमसे बात की।

(आ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़ो। इनमें गलत शब्द पहचानो और वाक्य सही करो।

1. आज मैं पाठशाला खेलना चाहती है।
2. जब समय देखा तो बस बज चुके थे।
3. सब अपने-अपने नाम में लग चुके थे।
4. कहानी बढ़ने को कहा।
5. सरकार का तारा है- "सब पढ़ें - सब बढ़ें"

(इ) नीचे दी गयी सूचना के आधार पर अनुच्छेद बनाओ।

नाम : समीना

आयु : तेरह वर्ष

कक्षा : आठवीं

निवास : गांधी वीधि, पार्वतीपुरम, विजयनगरम

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

(ई) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. समीना के दोस्तों के नाम बताओ।
2. दीदी ने उसे क्या कहा?
3. अध्यापिका जी ने रवि और इरफान को क्यों डाँटा?

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।

1. पहले दिन की डायरी में समीना ने पाठशाला न जाने का क्या कारण बताया?
2. समीना के घर की स्थिति कैसी है?
3. समीना अध्यापक से क्यों डर रही थी?

(आ) प्रधानाध्यापक जी ने बच्चों को क्या बताया होगा?

शब्द भंडार

(अ) नीचे दिये गये शब्दों के वचन बदलो। वाक्य प्रयोग करो।

कहानी	मुझे पंचतंत्र की कहानियाँ पसंद है।
छुट्टी	
खुशी	
ताली	
समिति	

(आ) वाक्य पढ़ो। रेखांकित शब्द के समानार्थक शब्द से वाक्य फिर से लिखो।

जैसे - मैं पाठशाला गयी।

उत्तर - मैं विद्यालय गयी।

© SCERT not to be republished

1. आज माँ की तबीयत कुछ ठीक है।

2. बारिश रुकने तक देर हो गयी।

3. पहले डर के मारे पूछा नहीं।

(इ) पाठ में समीना के दोस्तों के नाम दिये गये हैं। तुम अपने दोस्तों के नाम लिखो।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) अभी तुमने समीना की डायरी पढ़ी। डायरी की घटनाएँ बताते हुए मित्र को पत्र लिखो।

प्रशंसा

(अ) तुम अपनी एक दिन की डायरी का कोई पन्ना कक्षा में दीवार पत्रिका पर चिपकाओ।

परियोजना कार्य

(अ) समीना की जगह तुम होते तो अपनी डायरी में क्या लिखते? कक्षा में बताओ।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिया गया अनुच्छेद पढ़ो।

एक सप्ताह से मैं पाठशाला नहीं गयी थी - माँ का काम जो करना पड़ता था। **आज** मैं पाठशाला जाना चाहती थी। पता नहीं गुरुजी ने क्या-क्या पढ़ा दिया होगा? और फिर ममता, रवि, शमीम से भी तो कई दिनों से नहीं मिली। पर दीदी ने कहा कि माँ की बीमारी के बाद आज काम पर जाने का उनका पहला दिन है। इसलिए तू **यहीं** रहकर मेरी मदद कर। **वैसे** तो मैं दीदी की सहायता हमेशा करती हूँ। जो भी हो काम **ज्यादा** होने के कारण आज मैं स्कूल नहीं जा पायी। काम करते-करते दिन कैसे गुज़र गया, इसका पता ही नहीं चला।

ऊपर दिये अनुच्छेद में आज, यहीं, वैसे और ज्यादा जैसे क्रिया-विशेषण के भेदों के उदाहरण हैं। क्रिया-विशेषण के चार भेद हैं-

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

1. स्थानवाचक	:	जो क्रिया की स्थान संबंधी विशेषता प्रकट करते हैं, उसे स्थानवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं। उदाः यहाँ, यहीं, वहाँ, वहीं, कहाँ, जहाँ आदि।
2. कालवाचक	:	जो क्रिया के होने का समय बतायें, उसे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं। उदाः आज, कल, परसों आदि।
3. परिमाणवाचक	:	जो क्रिया के परिमाण को प्रकट करें, उसे परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं। उदाः बहुत, थोड़ा, अधिक, कम आदि।
4. रीतिवाचक	:	जो क्रिया के रीति का संकेत करें, उसे रीतिवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं। उदाः जैसे, ऐसे, कैसे, वैसे, यों आदि।

(आ) क्रिया-विशेषण भेदों के उदाहरणों का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य लिखो।

उदाः वहाँ लड़का बात कर रहा है।

वैसे तुम्हें जाना चाहिए।

आज का काम कल पर नहीं टालना चाहिए।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		
5. पाठ के आधार पर डायरी को पत्र के रूप में लिख सक्ता हूँ।		

हर कोई बड़े काम नहीं कर सकता, लेकिन हर कोई छोटे काम बड़े प्यार से कर सकता है।

© SCERT not to be republished

पठन हेतु

आओ पत्रिका निकालें

बहुत से बच्चों को लेखक बनने का शौक होता है-अपना नाम पत्रिकाओं में छपा देखने का, बड़े होने पर अपने नाम की किताब छपी देखने का। यह कोई बुरी बात नहीं बल्कि अच्छी बात है लेकिन इसके लिए तैयारी ज़रूरी है। दुनिया के अधिकतर बड़े लेखकों ने अपनी पत्रिकाएँ निकाली हैं। तुम भी अपनी पत्रिका निकाल सकते हो।

बाज़ार से रूलदार कागज़ ले आओ। अपने भाई-बहनों से, अपने स्कूल और मुहल्ले के साथियों से बातचीत करो। उनसे कहो कि पत्रिका निकालने जा रहे हो। वे तुम्हारी पत्रिका के लिए कुछ लिखें - कविता, कहानी, लेख, चुटकुले जो भी जी में आये। इसके लिए तुम्हें अपनी रचना दे दें।

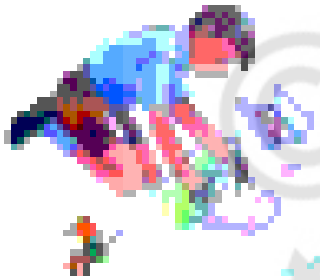

जब सारी रचनाएँ इकट्ठी कर लो तब उसे साफ़-साफ़ हाथ से रूलदार कागज़ पर लिख लो या तुम्हारे साथियों में जिसकी हस्तलिपि बढ़िया हो उससे लिखा लो। अगर कोई चित्र बनाना चाहे तो उसी आकार के, बिना रूल वाले, कागज़ पर उससे बनवा लो। फिर उसे रचनाओं के बीच-बीच में लगा लो। सबको इकट्ठा कर खुद ही सी लो।

पत्रिका को खूबसूरत बनाने के लिए उसका कवर मोटे कागज़ का रखो और उस पर रंगीन कागज़ व रंग से सजावट कर लो। अपनी पत्रिका का कुछ नाम रख लो। पृष्ठों पर नंबर डाल लो। शुरू में एक सूची बना लो। किस पृष्ठ पर किसकी रचना है वहाँ लिख दो। पर तुम्हारी पत्रिका कितनी छोटी-बड़ी हो या कितने लोग कितना लिखेंगे, इसके हिसाब से तय करो। रंगीन पेंसिलों से हर पृष्ठ का किनारा आकर्षक बना सकते हो। कोशिश करो कि तुम्हारे साथी लेखक अपना सोचकर लिखें, जो न लिख पाएँ वह दूसरे किसी लेखक की रचना

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

लिखें, लेकिन चोरी न करें। उस लेखक की रचना है, यह लिख दें। अपनी पत्रिका निकालने के लिए तुम पाँच बातें ज़रूर ध्यान में रखो -

1. सरल शब्द हों और भाषा और व्याकरण की अशुद्धियाँ न हों। किसी बड़े को पहले दिखा सकते हो।
2. अपनी लिखी मौलिक रचना को लेख, कहानी, कविता जो कुछ भी हो पहला स्थान दो। दूसरे की प्रिय रचना को दूसरा स्थान दो। चोरी की रचना मत दो।
3. लिखने-लिखाने से पहले यदि साथी लेखक चाहते हों तो उनसे बात कर लो। क्या लिख रहे हैं उस पर साथ मिलकर विचार कर लो।
4. तुम अपनी पत्रिका निकाल रहे हो अतः संपादक होने का घमंड मत करो। बल्कि अपने लेखकों को प्यार करो। उन्हें आदर-सम्मान दो। कमज़ोर रचना को ठीक करना हो तो उनको बता दो।
5. पत्रिका लिखावट और सजावट में जितनी खूबसूरत बना सकते हो, बनाओ।

पत्रिका के अंत में कुछ पृष्ठ कोरे छोड़ना न भूलना। इस पर अपने माता-पिता, अध्यापक या आसपास के कुछ छोटे-बड़े लेखक हों तो उनसे उनकी राय लिखवा लेना। फिर स्कूल खुलने पर अपने-अपने शिक्षकों को भी दिखाना, उनकी राय लिखवाना और यदि चाहो तो अपने स्कूल के प्रमाण-पत्र के साथ हमें अपनी पत्रिका निकालने की सूचना देना।

वैसे दुनिया के बड़े लेखकों ने अपनी खुशी के लिए शुरू-शुरू में अपने हाथ से लिखी पत्रिकाएँ निकाली हैं, किसी नाम के लिए नहीं। चाहो तो उनका रास्ता अपना सकते हो। हमारी शुभकामनाएँ अभी से ले लो।

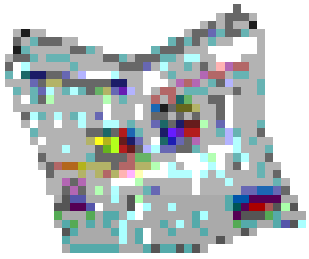

© NCERT not to be republished

लेखक का नाम	:	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
जीवन काल	:	1927 - 1983
रचनाएँ	:	खूँटियों पर टँगे लोग आदि।
पुरस्कार	:	साहित्य अकादमी पुरस्कार आदि।

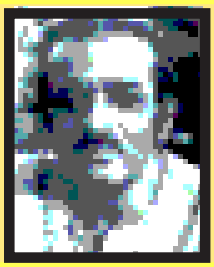

शब्दकोश

अंतरिक्ष	=	అంతరిక్షము, space	**अंतरिक्ष** में कृत्रिम उपग्रह भेजे जाते हैं।
अनिवार्य	=	తప్పనిసరిగా, compulsory	सबके लिए शिक्षा **अनिवार्य** है।
अवशेष	=	అవశేషము, remnant	हड़प्पा में प्राचीन सभ्यता के **अवशेष** मिले।
असर	=	ప్రభావము, effect	अच्छी संगत का अच्छा **असर** पड़ता है।
आक्रमण	=	ఆక్రమణ attack	औरंगजेब ने गोलकोंडा पर **आक्रमण** किया।
आज़ाद	=	స్వతంత్రమైన, independent	भारत **आज़ाद** देश है।
आटा	=	పిండి, flour	**आटे** से रोटी बनायी जाती है।
आरक्षण	=	ఆరక్షితము, reservation	रेलवे स्टेशन में **आरक्षण** खिड़की होती है।
आयोजन	=	ఏర్పాటు, arrangement	सरकार पोलियो अभियान का **आयोजन** करती है।
इंतज़ार	=	నిరీక్షణ, awaiting	पिता जी मेरा **इंतज़ार** कर रहे हैं।
इमारत	=	విశాలమైన భవనము, mansion	शहर में बड़ी **इमारतें** होती हैं।
इस्तेमाल	=	ఉపయోగము, use	समय का अच्छा **इस्तेमाल** करना चाहिए।
उधार	=	ఋణము, loan	हमें **उधार** नहीं करना चाहिए।
उपकरण	=	పనిముట్టు, equipment	कारीगर **उपकरणों** की सहायता से काम करता है।
कामयाब	=	సఫలీకృతుడైన, successful	**कामयाब** व्यक्ति मेहनत करना नहीं छोड़ता है।
काया	=	శరీరము, body	मनुष्य की **काया** बार-बार नहीं मिलती है।
किनारा	=	ఒడ్డు, bank	हैदराबाद मूसी नदी के **किनारे** है।
कुम्हार	=	కుమ్మరి potter	**कुम्हार** मिट्टी के बर्तन बनाता है।
कुल्हाड़ी	=	గొడ్డలి, an axe	लुहार **कुल्हाड़ी** बनाता है।
कृत्रिम	=	కృత్రిమమైన, artificial	भारत ने कई **कृत्रिम** उपग्रह छोड़े हैं।
खतरा	=	అపాయం, danger	बिजली से **खतरा** होता है। बचकर रहो।
खुरपी	=	దోకుడుపార, a weading instrument	**खुरपी** से घांस निकाली जाती है।
गहराई	=	లోతు, depth	समुद्र की **गहराई** अधिक होती है।
गुणी	=	సద్గుణసంపన్నుడు, virtuous	तेनाली रामकृष्णा **गुणी** व्यक्ति थे।
गेहूँ	=	గోధుమలు, wheat	**गेहूँ** से आटा बनता है।
चतुर	=	చతురుడు, తెలివైన, clever	बीरबल **चतुर** थे।
जल्दबाजी	=	తొందరపాటు, hasty	**जल्दबाजी** से काम नहीं करना चाहिए।
जासूस	=	గుఢాచారి, detective	**जासूस** रहस्यों का पता लगाता है।
जुलाहा	=	సాలెవాడు, weaver	**जुलाहा** कपड़ा बुनता है।
झेलना	=	అనుభవించుట, to suffer	दुखों को **झेलना** और आगे बढ़ना साहसी का लक्षण है।
तय	=	నిర్ణయింపబడిన, decided	विल्मा ने **तय** कर लिया कि उसे तेज़ धावक बनना है।

© NCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

तबियत	=	ఆరోగ్యము, health	पानी में बहुत भीगने से **तबियत** खराब हो जाती है।
तरल	=	తడిపదార్థము, wet things	पानी **तरल** पदार्थ है।
थकान	=	అలసట, tired	बहुत काम करने पर **थकान** होती है।
दर्पण	=	అద్దము, mirror	**दर्पण** में देखा जाता है।
दरबार	=	సభ, courtyard	राजा **दरबार** में बैठे हैं।
दाखिला	=	ప్రవేశము, admission	रामू को पाठशाला में **दाखिला** मिल गया।
दुर्गम	=	పాశక్యముకాని, కఠినమైన, inaccessible	साहसी लोग **दुर्गम** कार्यों को भी सुगम कर लेते हैं।
धावक	=	పరిగెత్తేవాడు, athlete	पी.टी. उषा तेज़ **धावक** है।
नज़र	=	దృష్టి, sight	शिकारी की **नज़र** तेज़ होती है।
नभ	=	ఆకాశము, sky	**नभ** में तारे चमक रहे हैं।
निकट	=	సమీపము, nearby	राजू की पाठशाला घर के निकट है।
निदान	=	పరిష్కారము, diagnosis	हर समस्या का **निदान** होता है।
निवेदन	=	ప్రార్థన, request	हमें हमेशा विनम्रता से **निवेदन** करना चाहिए।
परिणाम	=	ఫలితము, consiquence	अच्छा पढ़ने पर **परिणाम** भी अच्छा प्राप्त होता है।
परिवहन	=	రవాణా, transportation	ए.पी.एस.आर.टी.सी. **परिवहन** व्यवस्था है।
पुलकित	=	మిక్కిలి సంతోషము, over joyed	अच्छे अंक प्राप्त करने पर माता-पिता **पुलकित** होते हैं।
पोषाक	=	గణవేషము, school uniform	सरकार बच्चों को **पोषाक** देती है।
प्रचार-प्रसार	=	ప్రచార - ప్రసారములు, propaganda	गाँधी जी ने हिंदी का **प्रचार-प्रसार** किया।
प्रतियोगिता	=	పోటి, competition	छात्र खेल **प्रतियोगिता** में भाग लेते हैं।
प्रशिक्षण	=	శిక్షణ, training	अध्यापकों को **प्रशिक्षण** दिया जा रहा है।
फावड़ा	=	పార, spade	माली **फावड़े** से घांस निकालता है।
फुलझड़ियाँ	=	కాకరపువ్వత్తి, sparkles	दिवाली में **फुलझड़ियाँ** जलायी जाती हैं।
बाँस	=	వెదురు, bamboo	**बँसोर** बाँस से टोकरी आदि सामान बनाता है।
बँसोर	=	మేదరివాడు, basket - maker	**सूखा** पड़ने पर देश की स्थिति खराब हो जाती है।
बरामदा	=	ప్రాంగణము, varandah	माँ घर के **बरामदे** में बैठी है।
बिसात	=	చదరంగఫలకము, chess board	शतरंज की **बिसात** पर खेला जाता है।
बेमिसाल	=	పోల్చలేని, unparalleld	देश की शान बढ़ाने के लिए **बेमिसाल** काम करना चाहिए।
बेहद	=	అంతులేని, unlimited	माँ अपने पुत्र को **बेहद** प्यार करती है।
बोझ	=	బరువు, burden	छात्र को अधिक **बोझ** वाला काम नहीं देना चाहिए।
भीड़	=	గుంపు, crowd	कुंभ मेला में बहुत **भीड़** होती है।
भौगोलिक	=	భౌగోళికమైన, geographical	वृक्ष हमारी **भौगोलिक** संपदा है।
मटका	=	పెద్దమట్టి కుండ, big mud pot	मिट्टी से **मटका** बनाया जाता है।
मरम्मत	=	మరమ్మత్తు, repairs	टूटी हुई चीज़ों की **मरम्मत** करवानी चाहिए।
यश	=	కీర్తి, fame	दुनिया भर में भारत का **यश** फैला हुआ है।

© SCERT not to be republished

लहर	=	అల, wave	समुद्र की **लहरें** ऊँची होती हैं।
लाड़	=	గారాబము, affection	माता-पिता बच्चों को **लाड़** करते हैं।
लायक	=	సరియైనవాడు, fit	हमें **लायक** बनना चाहिए।
लुहार	=	కమ్మరి, blacksmith	**लुहार** लोहे का काम करता है।
विलंब	=	ఆలస్యము, delay	अच्छे काम में **विलंब** नहीं करना चाहिए।
विचलित	=	చంచలమైన, fickle	बुरे काम से मन **विचलित** हो उठता है।
विपत्ति	=	కష్టము, disaster	**विपत्ति** में धैर्य नहीं खोना चाहिए।
शतरंज	=	చదరంగం, chess	विश्वनाथन आनंद **शतरंज** के खिलाड़ी हैं।
शिकायत	=	ఫిర్యాదు, a complaint	किसी को **शिकायत** का मौका नहीं देना चाहिए।
शिकार	=	వేట, hunt	शिकारी **शिकार** करता है।
शीघ्र	=	త్వరగా, quickly	रेल की तुलना में हवाई जहाज **शीघ्र** पहुँचता है।
संग्रहालय	=	ప్రదర్శనశాల, museum	**संग्रहालय** में वस्तुओं का संग्रह किया जाता है।
संचार	=	ప్రసారము, communication	टेलीफोन **संचार** उपकरण है।
संतुलन	=	సరితూకము, balance	भोजन में सभी विटामिनों का **संतुलन** होना चाहिए।
संसद	=	పార్లమెంటు, parliament	भारत का **संसद** नई दिल्ली में है।
सिंचाई	=	నీటిపారుదల, irrigation	नदियों के जल से **सिंचाई** की जाती है।
सपना	=	కల, a dream	राजा ने **सपना** देखा।
समर्थक	=	సమర్థించేవాడు, supporter	गाँधी जी अहिंसा के **समर्थक** थे।
सफ़र	=	ప్రయాణము, journey	कम सामान के साथ **सफ़र** करना चाहिए।
सहारा	=	ఆధారము, support	हमें अपने माता-पिता का **सहारा** बनना चाहिए।
साबित	=	నిరూపించుట, to prove	गलत काम को सही **साबित** नहीं करना चाहिए।
सैकड़ा	=	వందలాది, several hundreds	हर दिन **सैकड़ों** लोग रेल में यात्रा करते हैं।
सौरमंडल	=	సౌరమండలము, solar system	**सौरमंडल** में अनेक तारे हैं।
सिवाय	=	తప్ప, except	मीरा श्रीकृष्ण के **सिवाय** किसी दूसरे का ध्यान नहीं करती थी।
सीमित	=	పరిమితి, limited	ज्ञान **सीमित** नहीं होता।
हँडी	=	చిన్నమట్టిపాత్ర, small earthen pot	कुम्हार **हँडी** बनाता है।
हथकरघा	=	మగ్గము, handicraft	जुलाहे के काम को **हथकरघा** भी कहते हैं।
हथौड़ा	=	పెద్దసుత్తి, a big hammer	**हथौड़े** से पत्थर तोड़ा जाता है।
हिसाब	=	లెక్కింపు, counting	हमें समय के **हिसाब** से काम करना चाहिए।
हैरान	=	గాబరపడుట, rattle	जातरा में लोगों की भीड़ देखकर मैं **हैरान** रह गया।

अध्यापकों के लिए सूचना

यहाँ पर शब्दों के अर्थ व उनके वाक्य प्रयोग दिये गये हैं। अतः बच्चों को अर्थ समझाने के लिए और अधिक वाक्य प्रयोग सिखाइए।

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

अंक से मिलान करके अपनी जाँच स्वयं करें
सूची – 1 से 100 तक

1. तितली	26. विद्वान	51. अशुद्ध	76. शेरनी
2. बादल	27. पाठशाला	52. माताएँ	77. अन्याय
3. श्रीमती	28. मोर	53. सम्राट	78. बहन
4. आँख	29. पुण्य	54. बंदर	79. ग्वाला
5. सवारी	30. मधु-मक्खियाँ	55. नदी	80. ठंडा
6. समुद्र	31. सुगम	56. कुतिया	81. पुस्तकें
7. चूहा	32. वीर	57. समूह	82. पराजय
8. उदय	33. भगवान, परमात्मा	58. दवाइयाँ	83. युवती
9. बच्चे	34. धरती, पृथ्वी, भूमि	59. हानि	84. निराशा
10. निडर	35. पेड़, वृक्ष	60. मालिन	85. राजकुमारियाँ
11. गुरुआइन	36. अभिनेत्री	61. जल, पानी	86. दिन
12. कठोर	37. असत्य	62. आकाश, गगन	87. फूल, सुमन, कुसुम
13. चादर	38. छात्राएँ	63. घड़ियाँ	88. अज्ञान
14. अनुत्तीर्ण	39. अंत	64. नानी	89. चिड़िया
15. हाथिन	40. मिठाइयाँ	65. सूर्य, सूरज, भानू	90. अध्यापक
16. शत्रु	41. ताया	66. बाग, बगीचा	91. साक्षर
17. अनेक	42. विष	67. बकरी	92. रोटियाँ
18. बेटा	43. कमल, नीरज, जलज	68. छात्र	93. वायु, हवा, समीर
19. हाथी	44. पंक्तियाँ	69. अस्वस्थ	94. निंदा
20. नारियाँ	45. अपमान	70. चंद्रमा, चाँद	95. नाईन
21. छाया	46. बंदर	71. खिलौने	96. पक्षी, विहार
22. ठकुराइन	47. दुर्गंध	72. पराया	97. कलियाँ
23. कहानी	48. पहाड़	73. हाथ	98. सब्ज़ी
24. हर्ष	49. कौआ	74. कुर्सियाँ	99. धोबी
25. बैल	50. नर्तकी	75. पत्नी	100.आग, अग्नि

© SCERT not to be republished